Date:-03-06-2024
Dainik Bhaskar, Page-12, Surat

दैनिक भास्कर समूह | 3 भाषाएं | 12 राज्य | 61 संस्करण

गुजरात

dainikbhaskar.com

दैनिक भास्कर, सूरत, सोमवार, 3 जून, 2024

पहला केबल ब्रिज जिस पर दौड़ेगी मेट्रो: ब्रिज की मजबूती जांचने के लिए जरूरी टेस्ट किए गए

सुघड़ के नर्मदा कैनाल ब्रिज का लोड टेस्ट हुआ 120 टन वजन की 4 मेट्रो ट्रेनें 24 घंटे खड़ी रहीं

ओमकारसिंह ठाकुर | अहमदाबाद

गांधीनगर के सेक्टर-1 तक 16 किमी रूट और जीएनएलयू से पीडीपीयू होकर गिफ्ट सिटी तक 5 किमी रूट का काम पूरा होने के बाद ट्रायल चल रहा है, जिसमें सुघड़ के नर्मदा पर करीब 970 टन वजन के साथ पुल का लोड टेस्ट किया गया। यह पहला केबल ब्रिज होगा जिस पर मेट्रो ट्रेनें दौड़ेंगी। पुल की मजबूती जांचने के लिए पत्थर, मिट्टी, सीमेंट समेत 65 टन सामग्री से भरी चार गाड़ियों को 24 घंटे तक पुल पर खड़ा रखा गया। जून-जुलाई के दौरान मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) इस 21 किमी रूट के ट्रैक, सिग्नल सिस्टम, कोच और स्टेशनों का निरीक्षण करेंगे और जरूरी सुधार के बाद 15 अगस्त तक इस रूट पर मेट्रो परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। इस एक्सट्राडोस ब्रिज का निर्माण गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) द्वारा नर्मदा नहर पर किया गया है।

जरूरी सुधार के बाद 15 अगस्त 2024 तक मेट्रो परिचालन शुरू हो जाएगा

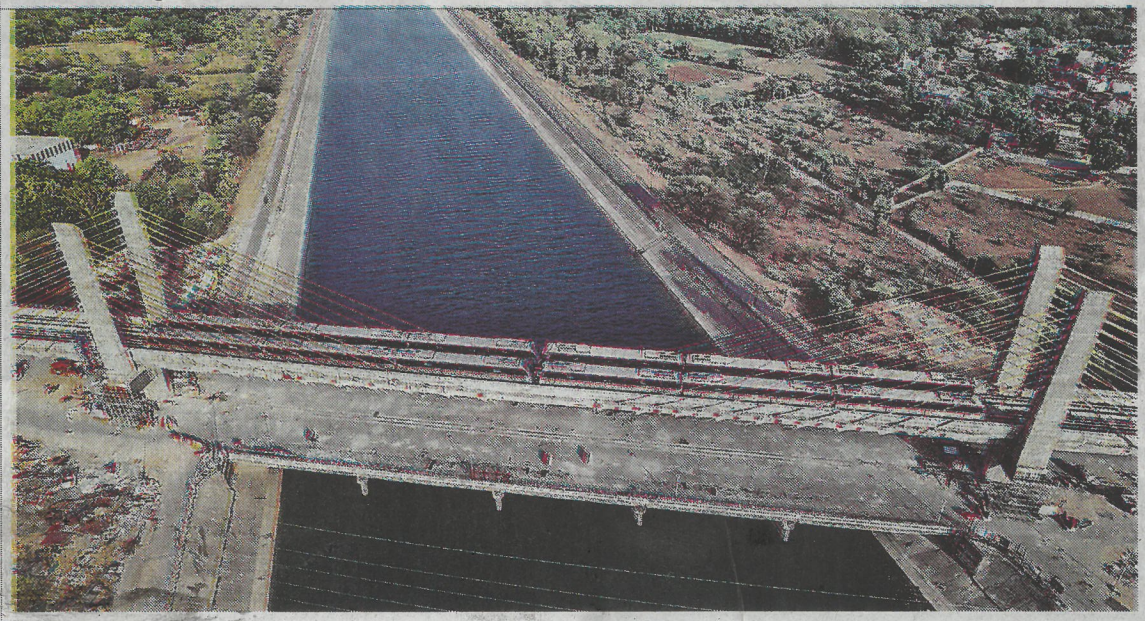

इस तरह हुआ टेस्ट

120 टन एक ट्रेन का वजन होता है। हरेक ट्रेन में 65 टन सामग्री रखकर 740 टन की 4 ट्रेन इस सामग्री का कुल वजन 230 टन से अधिक वजन ब्रिज पर रखकर लोड टेस्ट किया गया। इस तरह कुल 970 टन वजन ब्रिज पर रखकर टेस्ट कराया गया। इस ब्रिज की आयु 100 साल से अधिक होगी।

ब्रिज पर 303 मीटर का स्पान तैयार किया

इस एक्सट्राडोज ब्रिज में 145 मीटर लंबाई का एक केंद्रीय स्पान (गर्डर) और 79-79 मीटर के दो फ्लैकिंग स्पान हैं। इस पुल की लंबाई 303 मीटर है और इसमें 6 पिलर नर्मदा नहर में तैयार किए गए हैं। स्तंभ पर स्पान में 105 खंड स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही पुल में 28.1 मीटर ऊंचाई के 4 पाइलॉन (केबल पिलर) तैयार किए गए हैं। इसी तरह एक पाइलॉन में 9 केबल लगाई गई हैं।